अमर उजाला
बरेली
शनिवार, 23 अक्तूबर 202
कार्तिक कृष्ण-कृतीया
विक्रम संवत-2078

PAGE NO. 07 : MIDDLE

एसआरएमएस को मिली किडनी ट्रांसप्लांट की अनुमति

ट्रांसप्लांट की जानकारी देते डॉक्टर।

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। किडनी के मरीजों को अब लखनऊ, दिल्ली दौड़ने की जरूरत नहीं होगी। डीजी मेडिकल एजूकेशन एंड ट्रेनिंग ने एसआरएमएस को किडनी ट्रांसप्लांट की अनुमति प्रदान कर दी है।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. संजय कु मार ने बताया कि जिन मरीजों की डायलिसिस हो रही है या किडनी की समस्या पांचवीं स्टेज पर है, उनकी किडनी ट्रांसप्लांट की जाती है। अब तक इसके लिए मरीजों को दिल्ली या लखनऊ जाना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें एसआरएमएस में ही यह सुविधा मिल सकेगी। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. विद्यानंद के मुताबिक मरीजों को सस्ता इलाज मुहैया कराया जाएगा। यूरोलॉजिस्ट, किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. महेश त्रिपाठी ने बताया कि ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को 15 साल तक डायलिसिस से छुटकारा मिल जाता है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शनिवार, 23 अक्तूबर 2021, बरेली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

PAGE NO. 06 : MIDDLE

एसआरएमएस में होगा किडनी ट्रांसप्लांट

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

एसआरएमएस में अब मरीजों का किडनी ट्रांसप्लांट का आपरेशन होगा। डीजी मेडिकल एजूकेशन एंड ट्रेनिंग ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को इसकी अनुमति दे दी है। यह जानकारी

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के नेफ्रोलाजिस्ट डा.संजय कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत उन मरीजों को होती है जो डायलिसिस पर हों या किडनी समस्याएं स्टेज फाइव में पहुंच गयी हों। अभी तक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए मरीजों को दिल्ली या लखनऊ जाना पड़ता था। अब उन्हें एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ही यह सुविधा मिल सकेगी। नेफ्रोलाजिस्ट डा. विद्यानंद ने कहा कि एसआरएमएस मेडिकल कालेज में विशेसज्ञ

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में किडनी ट्रांसप्लांट होने की जानकारी दी गई।

चिकित्सकों के निर्देशन में यह आपरेशन होगा। यह रुहेलखंड और आसपास के मरीजों के लिए बड़ी सहूलियत होगी। यूरोलाजिस्ट व किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डा. महेश त्रिपाठी ने कहा कि दिल्ली और लखनऊ के बीच बरेली ही एकमात्र ऐसा शहर है जहां किसी संस्थान को किडनी ट्रांसप्लांट की मंजूरी सरकार ने दी है। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को 15 वर्ष तक डायलिसिस से छुटकारा मिल जाता है और दिनचर्या आसान हो जाती है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज को किडनी ट्रांसप्लांट की मान्यता मिलना बरेली और आसपास के क्षेत्र में मौजूद डायलिसिस कराने वाले मरीजों के लिए राहत की बात है।